भोले की शिवरात्रि आयी है | by Vicky Sandhu

देखो सावन की रुत आई है
भोले की मस्ती छायी है
सब चले कावड़िये बन ठन के
शिवरात्रि भोले की आई है

आते सावन भक्तो पे शिव का रंग चढ़े निराला
झूम उठे मस्ती में सब पी कर शिव नाम का प्याला
सब चले कावड़िये बन ठन के
शिवरात्रि भोले की आई है

कोई खड़ी कोई झूला और कोई डाक कावड़ है लाये
कोई करे दूधाभिषेक कोई बेल पत्र है चढ़ाये
सब चले कावड़िये बन ठन के
शिवरात्रि भोले की आई है

भक्तो की मन की हर इच्छा शिव पूरी करते हैं
कहता दीपक भंडारी सबके भण्डार भरते हैं
सब चले कावड़िये बन ठन के
शिवरात्रि भोले की आई है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%bf-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-vicky-sand/